सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 311 | जौनपुर, बुधवार, 07 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ब्रजेश पाठक के निरीक्षण के बाद चार डाक्टरों का तबादला

लखनऊ, संवाददाता। डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के निरीक्षण के बाद बछरावां सीएचसी के चार डॉक्टरों का तबादला कर दिया गया है। चिकित्सकों को नई सीएचसी में ज्वॉइन करके चिकित्सीय सेवा देने के आदेश दिए गए हैं। लालगंज सीएचसी के एक चिकित्सक को भी दूसरे अस्पताल भेजा गया है। बीती 18 जुलाई की सुबह डिप्टी सीएम ने बछरावां सीएचसी का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान काफी स्टॉफ अस्पताल नहीं आया था।

भाजपा के लिए जनता सिर्फ एक मतदाता – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक महिला ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेलकर खुद को आग लगा ली। इससे हड़कंप मच गया। हालांकि, महिला को बचा लिया गया और उसे सिविल अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया। जहां से हालत नाजुक होने पर महिला को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। इस घटना को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि भाजपा सरकार से जनता की नाउम्मीदगी का एक और दिल दहला देनेवाला हादसा तब हुआ, जब लखनऊ में मुख्यमंत्री जी के 'जनता दरबार' में पहुंची पीड़ित महिला ने नासुनवाई से हताश होकर अपने दुधमुंहे बच्चे को किनारे बैठाकर आत्मदाह कर लिया। भाजपा के लिए जनता सिर्फ मतदाता है। भाजपा के लिए चुनाव खत्म मतलब जनता से सरोकार खत्म। महिला के प्रति सहानुभूति का भाव रखा जाए व उसके जीवन को बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ इलाज कराया जाए।

कंपैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित हुई राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया गया। फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर आईं राष्ट्रपति ने इस सम्मान को भारत और फिजी के बीच षेस्ती के गहरे संबंधों का प्रतिबिंब बताया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियामे मैवलीली कटोनिवेरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया। यह फिजी का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच मित्रता के गहरे संबंधों का परिचायक है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति जी को बधाई। यह प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह राष्ट्रपति जी के नेतृत्व के साथ–साथ भारत और फिजी के बीच ऐतिहासिक लोगों से लोगों के जुड़ाव की भी मान्यता है। गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा कि राष्ट्र के सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को मेरी हार्दिक बधाई।

यह सम्मान न केवल विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है, बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनयिक संबंधों को भी मजबूत करता है, जो मानवता की भलाई के लिए हमारी साझेदारी की पुष्टि करता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने फिजी संसद को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा।

आपराधिक कानूनों के लिए अमित शाह ने 4 नए एप्लिकेशन किए लान्च

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीन नए आपराधिक कानूनों को सुचारू रूप से लागू करने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा चार ऐप– ई–साक्ष्य, न्याय सेतु, न्याय श्रुति और ई–समन जारी किए गए। 4 अगस्त, 2024 को अमित शाह ने चंडीगढ़ के एक कार्यक्रम के दौरान एप्लिकेशन पेश किए। वहां पंजाब के राज्यपाल, चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला भी थे। कार्यक्रम में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह से लागू होने के तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ सकता है।

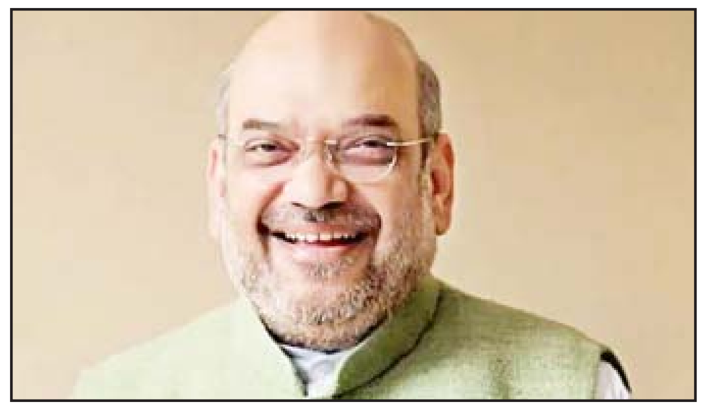

चारों एप्स कैसे करेंगे काम

ई–साक्ष्य, सभी गवाही, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी ई–साक्ष्य सर्वर पर सहेजी जाएगी। यह वास्तविक समय के आधार पर सभी अदालतों के लिए उपलब्ध होगा।

ई–समन ऐप से अदालतें पुलिस स्टेशनों और संबंधित व्यक्ति, जिसे समन भेजा जाना है, को इलेक्ट्रॉनिक रूप से समन भेजेगी। न्याय सेतु डैशबोर्ड पुलिस, चिकित्सा, फोरेंसिक, अभियोजन और जेल अधिकारियों को जोड़ेगा।

सीएम धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई निरीक्षण

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का मंगलवार को हवाई निरीक्षण

किया। इसके बाद सीएम धामी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आपदा की वजह से क्षतिग्रस्त मार्गों और पुलों को ठीक करने हेतु किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। सीएम ने दावा किया कि सरकार जल्द से जल्द केदारनाथ यात्रा मार्ग को फिर से संचालित करने के लिए तेजी से काम कर रही है। सीएम धामी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हवाई निरीक्षण का एक वीडियो शेयर कर पोस्ट में लिखा, ष्जनपद रुद्रप्रयाग के आपदा से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। इसके उपरांत स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान आपदा से क्षतिग्रस्त हुए मार्गों एवं पुलों को ठीक करने हेतु किए जा रहे कार्यों की भी विस्तृत जानकारी ली। हमारी सरकार जल्द से जल्द श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग को पूर्व की भांति संचालित करने हेतु तेजी से कार्य कर रही है। बता दें कि उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण कई इलाके आपदा से प्रभावित हैं। भूस्खलन, नदियों के उफान पर होने और सड़कें ध्वस्त होने के कारण जनजीवन अस्त–व्यस्त है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सरकार के निर्देश पर राहत–बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

यूपी में अब एक जिला-एक विश्वविद्यालय का लक्ष्य - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विगत सात वर्षों में सतत प्रयासों से प्रदेश में एक मंडल–एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी हो चुकी है। मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला–एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को इस संबंध में हुई महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने प्रमुख दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत सात वर्षों में सतत प्रयासों से प्रदेश में एक मंडल–एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी हो चुकी है। सभी 18 मंडलों में विश्वविद्यालयों की स्थापना हो चुकी है। कई मंडलों में निर्माण कार्य जारी है। मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला–एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए। वर्तमान में 35 जनपदों में विश्वविद्यालय की उपलब्धता है,

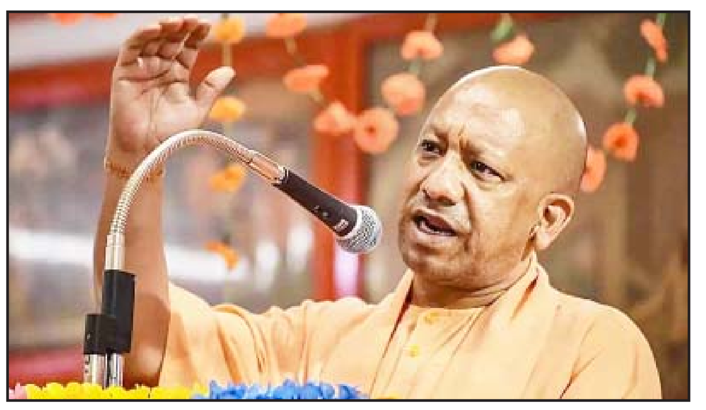

शेष जिलों में विश्वविद्यालयों के लिए निजी क्षेत्र बड़ा सहयोगी बन सकता है। उन्होंने कहा कि निजी निवेश उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के सरकारी प्रयासों में सहायक हो सकता है। इससे छात्रों के लिए उपलब्ध संस्थानों, पाठ्यक्रमों और सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, साथ ही शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों में भी सहायता मिलेगी। योगी ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की ग्रास एनरोलमेंट रेट (जीइआर) 25.6 फीसद है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) के अनुसार 2035 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। निजी निवेश प्रोत्साहन नीति इस अंतर को पूरा कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी निवेश वर्तमान समय की आवश्यकता है। अन्य राज्यों की सम्बंधित नीति का अध्ययन करें। स्टेकहोल्डर्स से संवाद करें और यथाशीघ्र उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति तैयार कर प्रस्तुत करें। नई नीति में निवेशकों को स्टाम्प ड्यूटी में छूट, कैपिटल सब्सिडी आदि प्रोत्साहन को यथोचित स्थान दें। उन्होंने कहा कि नई नीति में आकांक्षात्मक जनपदों में विश्वविद्यालयों की स्थापना पर अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान होना चाहिए। इसे प्राथमिकता दें। इसी प्रकार, विश्व की टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों के कैम्पस के प्रस्ताव पर भी विशेष प्रोत्साहन प्रावधान रखें।

महिलाओं के सशक्तिकरण से ही देश महाशक्ति बनेगा - शिंदे

महाराष्ट्र सरकार ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री–माझी लड़की बहिन योजना की शुरूआत की है। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की नेतृत्व वाली सरकार इस योजना के जरिए महिला वोटर्स को अपने पक्ष में करने की कोशिश में हैं। इन सब के बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज महिला सशक्तिकरण रैली में कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही देश महाशक्ति बनेगा। मुख्यमंत्री–माझी लड़की बहिन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बनाई गई एक स्थायी योजना है। वास्तव में, यह राज्य सरकार द्वारा महेरचा आहार (माता–पिता की ओर से एक उपहार) है। शिंदे ने दावा किया कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। सिल्लोड में मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण अभियान का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में महिला सशक्तिकरण

के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ महिलाओं को वितरित किया गया। मुख्यमंत्री–माझी लड़की बहिन योजना भी इस घोषणा के साथ शुरू की गई कि राज्य की 2 लाख महिलाओं के लिए लाभ की मंजूरी दी गई है। अपने भाषण की शुरुआत में मुख्यमंत्री शिंदे ने ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक विजेता महाराष्ट्र के स्वप्निल कुसाले को बधाई दी। इसी तरह, उन्होंने मुख्यमंत्री–माझी लड़की बहिन योजना के लिए उल्लेखनीय कार्य के लिए नव मनोनीत अभिभावक मंत्री अब्दुल सत्तार और जिला प्रशासन को भी बधाई दी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए तैयार की गई विभिन्न योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी वाले ब्रोशर का भी विमोचन किया। योजना की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मैं वर्षों से कहता आ रहा हूं कि मेरी एक ही बहन है, लेकिन जब से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की कमान संभाली, मुझे आपकी और मेरी जैसी लाखों बहनें राज्य से मिलीं। उन्होंने कहा कि मैं इसे पाने के लिए काफी भाग्यशाली हूं। मैं जहां भी जाता हूं, बहनें राखी बांधने के लिए दौड़ पड़ती हैं और ये बात तो सही है कि ऐसा भाईचारा पाने के लिए अच्छी किस्मत की जरूरत होती है. अब आपके भाई की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, उनके व्यवसायों और मंदिरों पर हो रहे हमले – एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति पर राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने अल्पसंख्यकों, उनके व्यवसायों और मंदिरों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह बयान शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और ढाका तथा बांग्लादेश के कई अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा के बाद भारत पहुंचने के एक दिन बाद आया है। विदेश मंत्री ने 4 अगस्त के बाद की घटनाओं का ब्यौरा देते हुए कहा, देश भर में शासन से जुड़े लोगों की संपत्तियों को आग लगा दी गई। विशेष रूप से चिंताजनक बात यह थी कि अल्पसंख्यकों, उनके व्यवसायों और मंदिरों पर भी कई स्थानों पर हमला किया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ढाका में अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। नई दिल्ली को उम्मीद है कि मेजबान सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित

करने के अलावा बांग्लादेश में भारतीय प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने बांग्लादेश से संबंधित हाल के घटनाक्रमों के बारे में सदन को अवगत कराते हुए कहा कि भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों से और कई सरकारों के दौरान घनिष्ठ रहे हैं। नई दिल्ली स्थिति स्थिर होने पर सामान्य कामकाज की उम्मीद कर रही है। एस जयशंकर ने इसे एक संवेदनशील मुद्दा बताते हुए सदन के सदस्यों से एक महत्वपूर्ण पड़ोसी के संबंध में समझ और समर्थन की भी मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश में हाल की हिंसा और अस्थिरता के बारे में चिंताएं सभी राजनीतिक दलों में समान हैं। जनवरी 2024 में चुनावों के बाद से बांग्लादेश की राजनीति में काफी तनाव, गहरे मतभेद और बढ़ता ध्रुवीकरण देखा गया है। इस अंतर्निहित आधार ने इस साल जून में शुरू हुए छात्र आंदोलन को और भी गंभीर बना दिया।

घाटी के दो दिवसीय दौरे पर चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग की टीम 8 अगस्त से 2 दिवसीय दौरे पर जम्मू–कश्मीर पहुंच रही है। उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं।

निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेगा। इसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू भी होंगे। यह दौरा केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए उच्चतम न्यायालय की 30 सितंबर की समयसीमा से कुछ हफ्ते पहले होगा। आयोग दस अगस्त को कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के लिए जम्मू का दौरा करेगा। ऐसी उम्मीद है कि घाटी में चुनाव लगभग छह साल के अंतराल के बाद सितंबर में हो सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जहां पूरी ताकत के साथ जम्मू–कश्मीर में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, वहीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अभी भी सशंकित है। जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राजनीतिक गतिविधियों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बीजेपी ने जम्मू में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है और पार्टी को चुनाव की तैयारी शुरू करने का आदेश जारी किया है। नेताओं को पहुंच बढ़ाने और 15 अगस्त तक पूरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए जिला स्तर पर टीमें बनाने के लिए कहा गया है। यह भाजपा के लक्ष्यों का रोडमैप निर्धारित करेगा, जो पार्टी के सबका साथ, सबका विकास के मिशन को पूरा करेगा।

हर आपदा से पहले टैक्स का अवसर तलाशना सरकार की असवेदनशील सोच का प्रमाण - राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी बढ़ाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि हर आपदा से पहले श्टैक्स का अवसरश तलाशना भाजपा सरकार की असंवेदनशील सोच का प्रमाण है। इंडिया गठबंधन इस अवसरवादी सोच का विरोध करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी मुक्त करना ही होगा। हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी वापस लेने की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मंगलवार को संसद के मकर द्वार पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन में कांग्रेस, टीएमसी, आम आदमी पार्टी (आप) समेत कई दल शामिल हुए। इस दौरान विपक्षी दलों के सांसदों ने हाथ में तख्ती लेते हुए हेल्थ इंश्योरेंस से जीएसटी वापस लो के नारे भी लगाए। राहुल गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्जीवन में आने वाले श्स्वास्थ्य संकटश में किसी के आगे झुकना ना पड़े, इसलिए पाई–पाई जोड़ कर हर साल हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भरने वाले करोड़ों आम हिंदुस्तानियों से भी मोदी सरकार ने 24 हजार करोड़ रुपये वसूल लिए। हर आपदा से पहले श्टैक्स का अवसरश तलाशना भाजपा सरकार की असंवेदनशील सोच का प्रमाण है। इंडिया गठबंधन इस अवसरवादी सोच का विरोध करता है। स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी मुक्त करना ही होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज संसद के प्रांगण में इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने

स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18ः जीएसटी तुरंत हटाए जाने की मांग की क्योंकि ये यह जबरदस्ती उगाही हमारी जनता, खासकर मध्यम वर्ग पर कड़ा प्रहार है। मध्यम वर्ग पहले से ही मोदी सरकार की टैक्स वसूली नीतियों के बोझ तले जूझ रहा है। 2024 में भारत का चिकित्सा महंगाई दर एशिया में सबसे अधिक 14ः पर है। ऊपर से जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर ये षाब्बर सिंह टैक्स –अमानवीय है, और भाजपा की आपदा में अवसर से लूट की नीति का एक और निंदनीय उदाहरण है। कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से लिखा, श्मोदी सरकार ने अपने वसूली बजट में हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस सेवाओं पर जीएसटी बढ़ा दिया है। इससे जनता को इन सुविधाओं के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। मोदी सरकार की इस वसूली के खिलाफ इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इससे पहले केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर लाइफ और मेडिकल इंश्योरेंस पर लगने वाले जीएसटी को हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि इससे बीमा कंपनियों पर आर्थिक बोझ कम होगा। लाइफ इंश्योरेंस पर लगने वाले अप्रत्यक्ष कर जीवन की अनिश्चितता पर लगने वाले

संपादकीय

भारत किस ओर जा रहा

दक्षिण एशिया से आने वाली सुर्खियाँ विशेष रूप से आश्वस्त करने वाली नहीं हैं। बांग्लादेश संकट की स्थिति में है। श्रीलंका में कट्टरपंथी तत्व मुखर हो रहे हैं। पाकिस्तान आंतरिक रूप से विभाजित है और भारत के साथ फिर से वही पुराना खेल खेल रहा है। म्यांमार हमेशा की तरह एक बड़ी समस्या बना हुआ है। इससे भी दूर, पश्चिम एशिया में एक बार फिर संघर्ष छिड़ गया है और पूर्वी एशिया और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है। एशियाई महाद्वीप में कहीं भी एक भी ऐसा राजनीतिक नेता नहीं है जो लोगों को शांति, स्थिरता और अपने जीवन में निरंतर सुधार की तलाश करने के लिए प्रेरित कर सके। जेड भाषा को समझने का एक बेहतरीन स्रोत होगी फिर भी, इस अशांत भूगोल के भीतर, भारत के पूर्व में एशिया आगे बढ़ना जारी रखता है। आर्थिक रूप से धीमा और बूढ़ा होता चीन अपनी ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था और समाज की नींव पर तकनीकी रूप से अधिक विकसित हो रहा है। वियतनाम आगे बढ़ रहा है और इंडोनेशिया ने अपनी विकास कहानी में अधिक आत्मविश्वास हासिल किया है। भारत अपने प्रदर्शन से संतुष्ट होकर आगे बढ़ रहा है और कई राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक गड्ढों को पार करते हुए यह कल्पना कर रहा है कि वह स्वतंत्रता के एक शताब्दी बाद 2047 तक "विकसित भारत" की राह पर है। लगभग दो दशक पहले, अप्रैल 2005 में, जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी नई दिल्ली आए थे। उनके राजनीतिक करियर के साथ–साथ तब तक भारत–जापान संबंधों की स्थिति ने उन्हें भारत से विशेष रूप से परिचित नहीं कराया था। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ एक उद्देश्यपूर्ण और सार्थक बातचीत के अंत में, जिसके दौरान वे भारत–जापान द्विपक्षीय साझेदारी को एक "नया रणनीतिक अभिविन्यास" देने पर सहमत हुए, श्री कोइजुमी के पास डॉ. सिंह के लिए एक प्रश्न था। श्री कोइजुमी ने कहा कि भारत विशाल एशियाई महाद्वीप के केंद्र में स्थित है। भारत के पूर्व में एक "उभरता हुआ एशिया" है और भारत के पश्चिम में एक अस्थिर एशिया है। भारत किस एशिया से संबंधित है और भारत किस दिशा में जा रहा है? श्री कोइजुमी केवल एक प्रश्न को स्पष्ट कर रहे थे जिसे दुनिया भर में और एशिया भर में कई लोगों ने पूछा है और, अफसोस की बात है, पूछना जारी रखा है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक आशावादी उत्तर दिया। भारत की "पूर्व की ओर देखो" नीति तब तक एक दशक से अधिक पुरानी हो चुकी थी। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भारत अपने पूर्व के देशों के करीब आ गया था, दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) का भागीदार बन गया, आसियान, जापान, दक्षिण कोरिया और यहां तक घ्धकि चीन के साथ अपने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ा रहा था। यह उभरता एशिया ही था जिसने भारत को अपनी आर्थिक नीति व्यवस्था को उदार बनाने के लिए प्रेरित किया था। चल रहे बदलाव को पहचानते हुए, सिंगापुर के तत्कालीन प्रधान मंत्री ली कुआन यू ने 2007 में प्रसिद्ध रूप से कहा था कि एशिया दो इंजनों, चीन और भारत द्वारा संचालित जेट विमान की तरह बढ़ रहा है। इसलिए, भारत निश्चित रूप से अपने पूर्व में उभरते एशिया का हिस्सा था। यह संबंध न केवल समकालीन आर्थिक कारकों द्वारा परिभाषित किया गया था, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारकों द्वारा भी परिभाषित किया गया था। भारत की सभ्यतागत छाप पूर्व की ओर गई, भले ही उसे पश्चिम से विरासत में प्रभाव मिला हो। आशावाद की वह भावना आज भी भारत को परिभाषित करती है, लेकिन कोइजुमी प्रश्न वास्तव में समाप्त नहीं हुआ है। भारत के आस–पास के देशों में आंतरिक अस्थिरता भारत को आईना दिखा रही है? अगर इन आंतरिक विभाजनों को ठीक नहीं किया गया और असमानताओं को पाटा नहीं गया तो क्या मामले हाथ से निकल सकते हैं? क्या बाहरी माहौल में और अधिक मुश्किलें आंतरिक रूप से स्थिति को बिगाड़ देंगी? ये गंभीर सवाल हैं, जिन पर देश के राजनीतिक नेतृत्व को चिंता करनी चाहिए। विकसित भारत का मंत्र जपने से अर्थव्यवस्था को वहां तक नहीं पहुंचाया जा सकता। दुनिया की पांचवीं या तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने से कोई फर्क नहीं पड़ता, जब दूसरी और तीसरी के बीच की दूरी अभी भी अपूरणीय बनी हुई है, मौजूदा और पूर्वानुमानित विकास दरों को देखते हुए। बाद के दशक में कुछ लोगों ने इसे फिर से उठाया। 2003–12 की अवधि एक ष्उभरते भारतष का दशक था जो अपने पूर्व के देशों के साथ तेजी से एकीकृत हो रहा था। पिछले दशक में, और निश्चित रूप से 2019 के बाद से, यह प्रक्रिया धीमी हो गई है। क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते से बाहर निकलने के भारत के फैसले ने चोट पहुंचाई है। जबकि अब यूरोप और ब्रिटेन के साथ व्यापार और निवेश समझौतों पर बातचीत चल रही है और पश्चिम एशिया के साथ आर्थिक संबंध मजबूत हुए हैं, सूरज अभी भी पूर्व में उगता है। अर्थशास्त्र से परे जाकर, राजनीतिक शासन के बावजूद, "उभरते एशिया" के अधिकांश हिस्सों में विकास का सामाजिक आधार पश्चिम और दक्षिण एशिया के अधिकांश हिस्सों से मौलिक रूप से अलग रहा है। पूर्वी एशिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने शिक्षा और सामाजिक कल्याण में निवेश की नींव पर अपनी आर्थिक इमारत खड़ी की है। इसने दक्षिण और पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में इन अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया है। बाद वाले ने मानव विकास में अपर्याप्त निवेश की कीमत चुकाई है। जबकि यूएनडीपी के मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में भारत का स्कोर – जो जनसंख्या की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को मापता है।

बांग्लादेश में चीन और आईएसआई ने साजिश रची

विनोद

दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन–रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया और कई मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से अपने घर में नजरबंद खालिदा जिया की रिहाई का आदेश भी आ गया। यदि आप बांग्लादेश में हाल में घटी सारी घटनाओं की कड़ियों को जोड़ेंगे तो पाएंगे कि यह सब कुछ तय पटकथा के हिसाब से हुआ है। इसलिए शेख हसीना सरकार का जाना और खालिदा जिया का कैद से बाहर आना भारत के लिए चिंताजनक खबर है। पहले ही डुरंड लाइन के नाम से मशहूर भारत और अफगानिस्तान सीमा तथा पाकिस्तान व चीन से लगती सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और अब बांग्लादेश से लगती सीमाओं पर भी सुरक्षा हालात चुनौतीपूर्ण हो गये हैं। बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटा है यदि उसे आप भारत के परिप्रेक्ष्य में देखेंगे तो पाएंगे कि हमें घेरने के लिए चीन और पाकिस्तान जो प्रयास लंबे अर्से से कर रहे थे उसमें वह कुछ हद तक कामयाब हो गये हैं।

दरअसल विकसित भारत के

लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन–रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं। दुश्मनों को लगता है कि भारत ने आतंक और उग्रवाद पर काबू पाने में जो सफलता पाई है कैसे उसे विफल करा जाये। इसके लिए वह तमाम तरह के हथकंडे अपनाते रहते हैं और सीधी लड़ाई से बचते हुए दायें या बायें से वार करना चाहते हैं।

दुश्मन को जम्मू–कश्मीर की शांति और पूर्वोत्तर क्षेत्र की प्रगति नहीं भा रही है। दुश्मनों ने जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंक और उग्रवाद को हवा देने के लिए तथा भारत को इस दंश से जूझने के लिए जो कड़ी मेहनत की थी उस पर पिछले दस सालों में पानी फेर दिया गया है। जम्मू–कश्मीर में आतंकी कमांडरों और अलगाववादियों का सफाया हो चुका है। पूर्वोत्तर क्षेत्र भी अपेक्षाकृत शांत हो गया है। वहां के कई उग्रवादी संगठन सरकार से समझौता कर मुख्यधारा के जीवन में लौट आये हैं। उग्रवादी और आतंकी संगठनों को मिलने वाली टैरर फंडिंग पर भी रोक लग गयी है। जाहिर है यह सब पाकिस्तान और चीन को नहीं भा रहा था। खासतौर पर शेख हसीना के कार्यकाल में जिस तरह बांग्लादेश सरकार भारत को वरीयता देती थी उससे भी चीन नाखुश रहता था। ऐसे में चीन इस ताक में था कि कैसे इस स्थिति को बदला जाये। चीन को परेशान देख पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मदद के लिए प्रस्ताव रखा और फिर योजनाबद्ध तरीकों से चीजों को आगे बढ़ाया गया।

बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात–ए–इस्लामी से जुड़े छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर (आईसीएस) को पाकिस्तान में काम कर रही कुछ चीनी कंपनियों की ओर से फंडिंग भी दी गयी थी। इन पैसों का इस्तेमाल बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जनभावनाएं भड़काने और छात्रों का आंदोलन खड़ा करने में किया गया था। बताया जा रहा है कि चीन और आईएसआई की मिलीभगत से यह तय किया गया था कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को गिराने के लिए कब क्या किया जाना है। इस्लामी छात्र शिबिर आईएसआई के बेहद नजदीकी माने जाने वाले देवबंदी आतंकी समूह हरकत–उल–जिहाद–अल–इस्लामी (हूजी) के साथ काम रहा था।

बताया यह भी जा रहा है कि भारतीय खुफिया एजेंसियां लंबे समय से इस्लामी छात्र शिबिर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थीं क्योंकि उन्हें खबर लगी थी कि भारत विरोधी एजेंडा आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है। बताया यह भी जा रहा है कि इस्लामी छात्र शिबिर के कुछ सदस्यों को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। इस संबंध में कुछ वीडियो भी हाल के दिनों में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगे थे। बताया जा रहा है कि इन सबका एकमात्र उद्देश्य यही है कि बांग्लादेश में भी अफगानिस्तान के तालिबान जैसी सरकार बनाई जा सके। इस संबंध में आईएसआई ने पूरी मदद और समर्थन का भरोसा भी इस्लामी छात्र शिबिर को दिलाया था। यह सारे समूह चाहते थे कि दिन पर दिन जिस तरह भारत और बांग्लादेश के संबंध प्रगाढ़ होते जा रहे हैं उसको नुकसान पहुँचाया जा सके। चीन भी देख रहा था कि जिस तरह बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना विभिन्न मुद्दों पर चीन को वरीयता देने की बजाय भारत के साथ खड़ी हो जाती हैं उस स्थिति से तभी छुटकारा मिल सकता है जब बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थित सरकार बन जाये। जहां तक बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी की बात है तो उसने कभी भी भारत विरोधी रवैया अख्तियार करने का मौका नहीं गंवाया। बताया जा रहा है कि बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने इस्लामी छात्र शिबिर के साथ मिलकर सरकार विरोधी आंदोलन को हवा दी और आखिरकार अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहे। इसके अलावा, बांग्लादेश सेना जिस तरह कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेकती दिख रही है और देश को अराजकतावादियों के हाथों में जाते देख रही है उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। बहरहाल, भारत को बांग्लादेश में हिंदुओं और हिंदू मंदिरों पर बढ़ते हमले रोकने की दिशा में कदम उठाने के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष निगाह रखनी होगी। यहां किसी भी राज्य में सरकार विरोधी आंदोलन को अगर हवा दी जाती है तो उसे तत्काल थामना होगा। दरअसल, पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारत ने शांति को स्थापित करने के लिए जो मेहनत की है उसको बाधित करने के लिए उग्रवादी संगठन और कट्टरपंथी एड़ी चोटी का जोर लगाएंगे इसलिए बहुत सतर्क रहना होगा। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ, नशीली दवाओं और मानव तस्करी पर लगाम लगाने और नकली मुद्रा से संबंधित मुद्दों के समाधान की दिशा में जो सफलता प्राप्त की है, उसे भी विफल करने के प्रयास किये जायेंगे। इसलिए सावधान रहने की जरूरत है।

छोटी उम्र से ही करें वित्तीय प्रबंधन

नारायण

मेरे एक मित्र अपनी 18 वर्ष की बेटी के बारे में चिंतित थे। वह हॉस्टल में रहकर अपने खर्चों का मैनेजमेंट कर रही है। यह दिलचस्प है कि मेरे मित्र और उनकी पत्नी दोनों ही अपने कॉलेज के दिनों में हॉस्टलर थे और वे हॉस्टल में मिलने के बाद एक दूसरे के करीब आए और शादी की। इसलिए, जब उन्होंने कहा कि उन्हें चिंता है कि उनकी बेटी कैसे अपने खर्चों का मैनेजमेंट करेगी, तो मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाया। अपने पैसे का मैनेजमेंट करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर तब जब आपने बचपन में कभी इस पर ध्यान नहीं दिया हो। जब मैं पैसे का प्रबंधन करने की बात करता हूँ, तो इसका मतलब सिर्फ एप्स पर पैसे खर्च करना नहीं है। इसका मतलब है कि एक सीमित बजट में रहना और पैसे खत्म होने का फिक्र करते रहना। छोटे बच्चों और युवाओं को जल्द से जल्द वित्तीय साक्षरता हासिल करनी चाहिए। यह मुश्किल नहीं है, खासकर आजकल ऑनलाइन उपलब्ध संसाधनों की मदद से। वित्तीय साक्षरता का मतलब है कि आप अपने पैसे से समझदारी से फैसले लेना सीखें। पैसे का बुनियादी वित्तीय ज्ञान आपकी भविष्य की वित्तीय आदतों और लक्ष्यों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

खर्च कितना करना है, इसे जरूर जानें

अगर आप दोस्तों के साथ बाहर जाते हैं और पैसे खर्च करना चाहते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि आप कितना खर्च कर सकते हैं। यह भी जरूरी है कि आप दोस्तों की खरीदारी से प्रभावित न हों। इसके लिए अपने माता–पिता से पूछें कि कितना खर्च कर सकते हैं। अगर वे कोई सीमा नहीं बताते तो अपनी सीमाएं स्वयं तय करें। 1,000 रुपये को एक ऐसे बजट के रूप में सोचें जो दोस्तों के साथ लंच या मूवी पर खर्च करने के लिए सही हो। आपका लक्ष्य इसमें से बचत करना होना चाहिए और पूरी राशि खर्च नहीं करनी चाहिए। अगर इससे अधिक खर्च करते हैं और किसी दोस्त से उधार लेते हैं, तो यह एक खराब वित्तीय आदत है।

उधार लेना युवाओं की बुरी आदत

कई युवा पैसे उधार लेने की आदत में फंस जाते हैं। पैसे उधार लेना अच्छी बात नहीं है क्योंकि यह दिखाता है कि आप अपनी क्षमता से अधिक खर्च कर रहे हैं। इसलिए, सुनिश्चित करें कि आप बजट के भीतर रहें और खर्च की सीमा निर्धारित करें। यह देखें कि आपको वास्तव में क्या चाहिए और उसकी लागत क्या है।

अपने खर्चों पर नजर रखने के लिए एक हफ्ते के लिए एक छोटी डायरी रखना एक अच्छा कदम है, ताकि आप समझ सकें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। जब आप अपने खर्चों का विश्लेषण करेंगे, तो आप पाएंगे कि आप कई गैर–जरूरी चीजों पर पैसे खर्च कर रहे हैं। बचत और निवेश के बारे में सोचना शुरू करें। आप सोच सकते हैं कि अभी बचत और निवेश की क्या जरूरत है, लेकिन यही समय है जब आपको यह समझना चाहिए। इससे आपके रिटर्न कई सालों में बढ़ेंगे और आपकी बचत तेजी से बढ़ेगी।

बजट बनाने के बारे में जरूर सोचें

बजट बनाने के बारे में सोचें कि किस पर खर्च करना है। कितना बचाना है और कितना निवेश करना है। बजट आपके फाइनेंस को मजबूत करने के सबसे उपयोगी साधनों में से एक है। यह जानना कि आपका पैसा पूरे महीने कहां खर्च हो रहा है, वित्तीय साक्षरता के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। उदाहरण के लिए, अपने खर्चों की समीक्षा करने से आप बेकार की स्ट्रीमिंग सब्सक्रिप्शन, हर हफ्ते होटल जाने और अवांछित सदस्यता शुल्क का पता लगा सकते हैं। इन खर्चों को कम करने से आप पैसे बचा सकते हैं।

मोबाइल बैंकिंग एप से करें बजट को बनाएं आसान

कई बजटिंग ऐप और साधन हैं जो आपकी इस प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। आप अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप से शुरुआत कर सकते हैं, जो संभवतः एक मुफ्त बजटिंग टूल प्रदान करता है। आप ऑनलाइन बजट कैलकुलेटर का भी उपयोग कर सकते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि वित्तीय योजना आपके जीवन में कैसे मदद कर सकती है।

आप अपने करियर की शुरुआत में ही वित्तीय आदतें विकसित करेंगे, जो आपकी जीवनशैली को सुधारेंगी और आपको भविष्य में एक आरामदायक वित्तीय जीवन जीने में मदद करेंगी। इससे आप अपने वित्तीय जीवन पर नियंत्रण रख सकेंगे और अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून को और सख्त बनाना

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की लोकसभा चुनावों में हार ने सांप्रदायिक मामलों में उसके रुख को और कड़ा कर दिया है। सरकार ने अपने संशोधित 2024 के संस्करण में गैरकानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम को और कड़ा कर दिया है। अपराध की श्रेणी के अनुसार दंड में वृद्धि की गई हैरू पहले एक से पांच साल की कैद की सजा अब तीन से 10 साल हो गई है। 10 साल की कैद की सजा अब 14 साल से लेकर आजीवन कारावास तक हो गई है, खासकर दूसरी बार अपराध करने वालों के लिए और 50,000

रुपये का जुर्माना अब एक लाख रुपये हो गया है। कानून का दायरा अब व्यापक हो गया है। जो कोई भी धोखे या धोखाधड़ी के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए धमकी देता है, हमला करता है, शादी करता है या शादी का वादा करता है, वह अवैध धर्म परिवर्तन करने का दोषी है। सामूहिक धर्म परिवर्तन पर भारी दंड का प्रावधान है। अवैध धर्म परिवर्तन के लिए कथित तौर पर विदेशी फंडिंग को भी कानून के दायरे में शामिल किया गया है। शायद सबसे खतरनाक संशोधन किसी तीसरे व्यक्ति की प्राथमिकी को वैध बनाना है। 2024 से पहले पीड़ित व्यक्ति और उसके परिवार को शिकायत करने की अनुमति दी गई थी। इन बदलावों ने विजिलेंस, स्थानीय नेताओं और हिंदुत्व के विभिन्न समर्थकों के लिए क्षेत्र खोल दिया हैरू वे अंतरधार्मिक संबंधों और विवाहों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि अपराध संज्ञेय और गैर–जमानती है। यह कानून बहुत ही दखलंदाजी वाला है, जो अपने व्यापक आधार के रूप में यह मानता है कि सभी धर्मांतरण संदिग्ध हैं। यही कारण है कि किसी भी व्यक्ति की शिकायत को स्वीकार्य बना दिया गया है, इस प्रकार अवैध धर्मांतरण की परिभाषा को धुंधला कर दिया गया है, जो छल, जबरदस्ती या धोखाधड़ी से होता है। क्या यह राज्य का काम है? धर्म की स्वतंत्रता जिसमें उसका प्रचार भी शामिल है, एक संवैधानिक अधिकार है, जैसा कि वयस्कों के बीच साथी चुनने की स्वतंत्रता है। फिर भी यह कानून अंतरधार्मिक लिव–इन संबंधों को अवैध बनाता है। इसे भगवा बिरादरी द्वारा श्लव जिहादश कहे जाने वाले विरोध के लिए तैयार किया गया था, हालांकि इस गतिविधि का कोई संकेत नहीं मिला है – अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुष बहुसंख्यक समुदाय की महिलाओं से शादी करके बाद में धर्मांतरण करते हैं। धर्मांतरण विरोधी कानून केवल एक ही नहीं, बल्कि दो बड़े अल्पसंख्यक समुदायों को प्रभावित करता है। जनवरी 2021 से अप्रैल 2023 तक इसके तहत 400 से ज़्यादा मामले दर्ज किए गए और 800 से ज़्यादा लोगों को जेल भेजा गया। दुर्लभ या गैर–मौजूद अपराधों को सबसे बड़ी चिंता के तौर पर पेश किया जा रहा है, मानो विकास या रोजगार जैसे ज़्यादा स्पष्ट मामलों में विफलताओं को छुपाने के लिए ऐसा किया जा रहा हो। श्री आदित्यनाथ या तो मानते हैं कि असहिष्णुता पुरस्कार लाती है या फिर उन्हें कोई और रास्ता नहीं सूझता।

प्रकृति की चेतावनियों को अनसुना करना ठीक नहीं

आशीष

प्रकृति का अत्यधिक दोहन और छेड़छाड़ के दुष्परिणाम वायनाड, जोशी मठ और केदारघाटी के तौर पर हमारे समक्ष हैं। प्रकृति बार बार किसी ने किसी घटना या तरीके से पूरी मानव जाति को चेतावनी और संदेश दे रही है, और हम लगातार प्रकृति के संदेशों को अनसुना और अनदेखा कर रहे हैं। 2013 में केदार घाटी में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू–स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 387 मौतें हो चुकी हैं और 200 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है? 'स्थावराणां हिमालयरू', इस प्रसंग का उल्लेख श्रीमद्भागवत गीता के दसवें अध्याय के 25 वें श्लोक में हुआ है। इसमें 'श्रीकृष्ण' ने कहा है कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं'। सुखमय जीवन के लिए वेदों में हिमालय की आराधना का उल्लेख भी हुआ है। महाकवि कालिदास ने अपने महाकाव्य 'कुमारसंभव' में हिमालय को 'धरती का मानदंड' तथा 'दुनिया की छत व आश्रय' बताया था। अनादिकाल से पहाड़ आध्यात्मिक चेतना की पुण्यभूमि रहे हैं। प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केंद्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं। 16 जून 2013 को केदारनाथ धाम के पीछे मौजूद चोराबाड़ी ग्लेशियर के ऊपर बादल फटा। ग्लेशियर में बनी एक पुरानी झील में इतना पानी भर गया कि उसकी दीवार टूट गई। पांच मिनट में पूरी झील खाली हो गई। पानी इतनी तेजी से निकला कि केदारनाथ धाम से लेकर हरिद्वार तक 239 किलोमीटर तक सुनामी जैसी लहरें देखने को मिलीं। चारों तरफ तबाही और बर्बादी। हजारों लोग मारे गए। हजारों का आज भी पता नहीं चला। नदियों का बढ़ा जलस्तर देख डर लग रहा था। लोगों को बचाने के लिए सेना, एयरफोर्स और नौसेना ने 10 हजार से ज्यादा सैनिक और 50 से ज्यादा हेलीकॉप्टर और विमान लगाए। वायुसेना के विमानों ने 2137 बार उड़ान भरी। 1.10 लाख से ज्यादा लोगों को बचाया गया। साल–दर–साल बीतते चले गए। हादसे के निशान तो अब भी पहाड़ों की ढलानों पर दिखते हैं। केदारनाथ धाम जाने की दूरी भी बढ़ गई। क्योंकि रामबाड़ा कस्बा पूरी तरह से खत्म हो गया था। नया रास्ता बनाया गया। जो पुराने रास्ते से करीब तीन किलोमीटर ज्यादा है। पहले आप केदारनाथ घाटी के बाएं पहाड़ों पर चलते हुए मंदिर तक जाते थे अब रामबाड़ा से रास्ता दाहिनी ओर कट जाता है। उत्तराखंड का शहर जोशीमठ धीरे–धीरे जमीन में धंसता जा रहा है। 2023 में जोशीमठ से जुड़े समाचार देश दुनिया में छाये हुए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान संकट कई कारणों से उत्पन्न हुआ है, जिनमें वर्षों से चल रहा अनियोजित निर्माण, जलविद्युत परियोजनाएं और उचित जल निकासी व्यवस्था का अभाव शामिल है। 1976 में एक सरकारी रिपोर्ट में जोशीमठ में भारी निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, जिसमें कहा गया था कि षमिट्टी की भार वहन क्षमताष की जांच के बाद ही इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। रिपोर्ट में उचित जल निकासी और सीवेज प्रणाली के निर्माण तथा कटाव को रोकने के लिए कंक्रीट सीमेंट ब्लॉक लगाने का भी सुझाव दिया गया था। लेकिन विशेषज्ञों की हर हिदायत और चेतावनी को अनसुना किया गया। वायनाड में जो कुछ हुआ, यह कुदरती मार नहीं, मानव–निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी मौज मस्ती और ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80–85 फीसदी भू–स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भूस्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढ़ने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। विशेषज्ञों की मानें तो, जलवायु–परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भूस्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु–परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भूस्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू–स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास–कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़–पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं। देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबाव मापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है।

नवागत प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन समर सिंह ने ग्रहण किया कार्यभार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नवागत जीआरपी प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन के पद पर समर सिंह ने प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन के रुप में कार्यभार ग्रहण किया।कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन कार्यालय पर तैनात सभी कर्मियों से परिचय प्राप्त किया।मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि रेल यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा मे कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा।वही सावन झूला मेला को देखते हुए रेलवे स्टेशन परिसर में तथा इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर सभी सुरक्षा कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस समय सावन झूला, स्वतंत्रता दिवस सहित अन्य पर्वो को देखते हुए हमें चौकन्ना रहना होगा।रेलवे परिसर के पास कोई भी व्यक्ति अगर संदिग्धावस्था में घूमते हुए दिखाई पड़े तो उससे गहनता से पूछताछ किया जाए।संतोषजनक जवाब मिलने के बाद ही उसे जाने दिया जाए।बताते चलें कि नवागत जीआरपी प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन इससे पूर्व अम्बेडकर नगर में इसी पद पर तैनात रहे।मालूम हो कि इससे पहले यहां पर इस पद पर रहे प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट रेलवे स्टेशन राकेश कुमार यादव का स्थानांतरण गोरखपुर जोन में हो गया है।

एसडीएम ने बाढ़ प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'पाली–(हरदोई)' गंगा नदी से हो रहे कटान का बुधवार को एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि ने तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित ग्राम अरवल का मजरा अदनिया,ग्राम चन्द्रमपुर, ग्राम छोजपुर सहित कई गांवों का दौरा कर लोगों से उनकी समस्याओं के बावत जानकारी ली और कटान व बाढ़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने ग्रामीणों से बाढ़ के दौरान होने वाली दुश्वारियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। ग्रामीणों ने एसडीएम को बताया कि बाढ़ के दौरान जलभराव होने से उनकी सैकड़ों बीघा जमीन में बोई फसलें नष्ट हो गई है।

साथ ही काफी लोगों की कृषि योग्य भूमि भी कटकर गंगा नदी में समा गई है। अदनिया सहित कई गांवों में गंगा नदी के कटान से हुई क्षति का निरीक्षण करते हुए एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि ने बाढ़ प्रभावित लोगों से सम्पर्क कर प्रावधान के अंतर्गत उन्हें मुआवजे की व्यवस्था कराने के साथ ही हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक राजेश कुमार शुक्ला, लेखपाल मंजेश आदि मौजूद रहे।

भुल्लनपुर पीएसी के तत्वाधान में 27 वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी तैराकी एवं क्रासकन्ट्री प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बुधवार को 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के तत्वाधान में बीएचयू परिसर वाराणसी स्थित तरणताल में 27वीं पीएसी पूर्वी जोन अंतर वाहिनी तैराकी एवं क्रासकन्ट्री प्रतियोगिता–2024 का शुभारंभ आयोजन सचिव, पंकज कुमार पांडेय, आईपीएस, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी पूर्वी जोन की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वीं, 33वीं, 34वीं, 36वीं, 37वीं, 39वीं, 42वीं तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 249 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। पीएसी अंतर वाहिनी के विभिन्न टीम मैनेजर्स से मुख्य अतिथि द्वारा परिचय प्राप्त किया गया। मार्च पास्ट की कार्यवाही बैण्ड की सुमधुर धुन पर सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट टर्नआउट के साथ संपन्न हुई। टीमों के श्मार्च पास्टश द्वारा दिये गये अभिवादन को मुख्य अतिथिआयोजन सचिव पंकज पाण्डेय द्वारा सलामी मंच से स्वीकार किया गया। प्रतिभागियों के इस अच्छे

प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात आयोजन सचिव द्वारा सलामी मंच से इस प्रतियोगिता के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की गयी।इस मौके पर अन्तरवाहिनी तैराकी प्रतियोगिता में 400 मी0 फ्री स्टाइल में 42वीं वाहिनी के सूरजकान्त ने प्रथम, गुलाब यादव ने द्वितीय व 36वीं वाहिनी के दिलीप कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। 4×200 मी0 फ्री स्टाइल में 42वीं वाहिनी प्रथम, 34वीं वाहिनी द्वितीय व चतुर्थ वाहिनी ने तृतीय स्थान हासिल किया। 200 मी0 ब्रेस्ट स्ट्रोक में 42वीं वाहिनी के चेतनारायण ने प्रथम, 36वीं वाहिनी के डाक्टर राम ने द्वितीय व 34वीं वाहिनी के मार्तण्डनाथ दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 39वीं वाहिनी मिर्जापुर एवं चतुर्थ वाहिनी प्रयागराज के मध्य हुए वाटरपोलो प्रतियोगिता में चतुर्थ वाहिनी ने 9–0 से जीत हासिल की।कार्यक्रम के दौरान नरेश सिंह यादव सहायक सेनानायक, अजय प्रताप सिंह, शिविरपाल, गोपाल दूबे, सूबेदार मेजर, सीसी ब्रजेश राय, बदन यादव व वाहिनी के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण एवम् बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथिगण उपस्थित रहे।

एटीएस विद्यालय की छात्रा के आत्महत्या में प्रधानाचार्य सहित अध्यापिकाओं पर दर्ज हुआ हत्या का मुकदमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के गयासपुर गांव में स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय(आश्रम पद्धति विद्यालय) की छात्रा के आत्महत्या के मामले में प्रधानाचार्य सहित अन्य अध्यापिकाओं पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया।

ज्ञात हो ऊक्त विद्यालय में अप्रैल माह में रूबी निषाद पुत्री स्वर्गीय दिनेश निषाद का कक्षा नौ में उसके मामा गोविंद निषाद ने एडमिशन करवाया था।मई में विद्यालय की छुट्टी हो गयी।2 जुलाई को छुट्टी बीतने के बाद रूबी अपने मामा गोविंद निषाद पुत्र प्यारेलाल निषाद निवासी बिशुनपुर मझवारा के साथ विद्यालय आयी। गोविंद भांजी को छोड़कर घर चला गया। उसके कुछ देर बाद रूबी ने पंखे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया था। सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह के अलावा एसपी सिटी बृजेश कुमार सहित अन्य पहुंच गए थे।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद फॉसी बताया था।घटना के काफी दिन बाद मृतका के मामा गोविंद निषाद ने हाईकोर्ट में जाकर विद्यालय के प्रधानाचार्य व सहायक अध्यापिकाओं की मिलीभगत से रूबी के हत्या का आरोप लगाया।कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप किया।उसके बाद सोमवार की देर शाम गोविंद की तहरीर पर पुलिस ने प्रधानाचार्य व अध्यापिकाओं पर धारा 103 (1)तथा 61 (2)के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। इस मामले में बुधवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष मनोज सिंह ने कहा मामले की विवेचना चल रही है। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दोस्त ने दोस्त की सिर्फ 12 सौ रुपयों की खातिर गला घोंट कर हत्या की

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) दोस्त ने अपने ही दोस्त की सिर्फ 12 सौ रुपयों की खातिर गला घोंट कर हत्या कर दी और उसका शव मल्लावां कोतवाली के मटियामऊ रोड पर सड़क के किनारे फेंक दिया। पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए युवक की हत्या करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपाधीक्षक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि सोमवार (5 अगस्त) को मल्लावां कोतवाली की राघीपुर चौकी स्थित मटियामऊ रोड पर सड़क के किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला था,उसका गला गमछे से कसा हुआ था। इसका पता होते ही वहां हड़कंप मच गया। एसएचओ मल्लावां अनिल सैनी अपनी टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। शव की पहचान भेलावां थाना बघौली निवासी भइया लाल पुत्र राम लखन के रूप में की गई।

पुलिस जांच में पता चला कि भइया लाल सोमवार की सुबह अपने रिश्तेदार बलेहरा निवासी पुत्तीलाल के घर गया हुआ था,बाद में उसकी हत्या कर शव फेंका गया। पुलिस ने उसकी मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए फारेंसिक टीम की मदद ली,साथ ही मल्लावां पुलिस भइया लाल की मौत से जुड़े हर एक पहलू की गहराई से जांच कर रही थी। एसपी नीरज कुमार जादौन के निर्देश पर पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए मल्लावां कोतवाली के ध्यानी खेड़ा निवासी बब्लू को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में बब्लू ने बताया कि वह और भइया लाल आपस में काफी गहरे दोस्त थे। उन दोनों के बीच साइकिल बेंचने के दौरान हाथ आए 12 सौ रुपयों का हिस्सा बांटने को ले कर कहासुनी हो गई। बात इतनी तूल पकड़ गई कि बब्लू ने अपने गमछे से गला कस कर भइया लाल की हत्या कर दी।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वी वर्षगांठ के अवसर पर शताब्दी समारोह मनाने को लेकर जिलाधिकारी ने किया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शताब्दी समारोह एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के दृष्टिगत सभागार में बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि 09 अगस्त 2024 से काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ का शुभारम्भ हो रहा है। शासन द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार पूरे जनपद में क्रान्तिकारियों के सम्मान में यह कार्यक्रम मनाया जाना है। इस अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से आम जन को इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए क्रान्तिकारियों के बलिदान को पुनः याद किया जाए। 13 अगस्त 2024 से 15 अगस्त 2024 तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत झण्डा तैयार करना, सभी सरकारी, गैर सरकारी, प्राइवेट संगठनों तथा प्रत्येक घरों पर तिरंगा लगाने हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों का दिशा निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जाग्रत

करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी सरकारी कार्यालयधशिक्षण संस्थान खादी से निर्मित ध्वज का ही आरोहण करेंगे। नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े समस्त स्थलों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं साइनेज भी लगवाए। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों, रेस्टोरेन्ट, शापिंग काम्पलेक्स, टोल प्लाजा, पुलिस चौकीथाना इत्यादि को इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से झण्डा फहराये जाने का निर्देश दिया। तहसील और ग्राम पंचायत स्तर पर सम्बन्धित विभाग द्वारा जागरूकता सत्र का आयोजन करते हुए ग्राम प्रधानों को शत–प्रतिशत घरों, दुकानों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, राशन की दुकानों, इत्यादि पर झण्डा फहराने हेतु प्रेरित किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, परियोजना निदेशक कृष्णा करूणाकर पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल, उपायुक्त एनआरएलएम ओपी यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय,जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थूलाल , सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में भागा हुआ अपराधी घायल, अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस का अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन लंगड़ा अभियान लगातार जारी है। जहां कल दो बदमाशों को पुलिस ने गोली मार कर घायल किया। वहीं इस मुठभेड़ में भागे दो अन्य बदमाशों में से एक को मंगलवार रात सिकरारा व बक्शा थाने की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में विभिन्न थानों में वांछित अन्तर्जनपदीय अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। इस उसके पैर में गोली लगी है जिसे इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है इसके पास से तमंचा कारतूस व अपाचे बाइक बरामद किया गया है। इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार सदर परमानंद कुशवाहा ने बताया कि डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये सघन अभियान के क्रम में मंगलवार दिन में लगभग 1:00 बजे थाना सिकरारा अंतर्गत बेदौली नहर पुलिया के पास एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी काफी तेजी से भाग रही थी एक युवक श्रवण पुत्र प्रदीप निवासी जमैथा थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ रही थी जिसकी सूचना पुलिस को मिली कि कुछ बदमाश किस्म के लोग है इस सूचना पर थाना प्रभारी बक्सा व सिकरारा की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर उसको रोकने का प्रयास करने लगी लेकिन पुलिस टीम के गाड़ी को ही हिट करते हुए गाड़ी आगे भागने लगे इसी दौरान एक सिपाही को भी टक्कर मारा जिससे गम्भीर रुप से घायल हो गये जिनका इलाज चल रहा है। प्रयाप्त पुलिस बल के साथ अन्य थानों की पुलिस बल के साथ इस गाड़ी की घेराबन्दी की गई और इस गाड़ी को काबू में किया गया लेकिन यह गाड़ी कई लोगों को हिट करते हुए और टकराते हुए जा रही थी जिससे डैमेज हो गई और मौके पर गाड़ी को काबू में करते हुए 2 बदमाशो को पकड़ा तथा 2 बदमाश भागने सफल रहे। फरार अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु गठित टीम थानाध्यक्ष सिकरारा आशुतोष कुमार गुप्ता व प्रभारी निरीक्षक बक्शा उदय प्रताप सिंह की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मंगलवार रात करीब 11.44 बजे रात्रि बाद मुठभेड़ में वहद ग्राम आनापुर डमरूआ मार्ग पर अपराधी सूरज (22) पुत्र अशोक यादव निवासी ग्राम उटरूखुर्द थाना बक्सा को तमंचा कारतूस के साथ पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया, दूसरा बदमाश शुभम यादव पुत्र महन्नू यादव निवासी ग्राम नेवादा थाना बक्सा जनपद जौनपुर अंधेरे का लाभ लेकर भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस पार्टी द्वारा की गयी फायरिंग से अभियुक्त के बायें पैर में घुटने के नीचे गोली लगने से चोटिल हुआ है। सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष दया शंकर निगम बने

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारत हिन्दू महासभा के प्रदेश सचिव संजय कुमार की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने वाजिदपुर उत्तरी जौनपुर निवासी दया शंकर निगम को जौनपुर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री निगम की यह नियुक्ति उनकी निष्ठा, हिंदू समाज के प्रति जागरूकता व सामाजिक अभिरुचियों को देखते हुए की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि निगम भाई परमानंद, डा. बल कृष्ण राव मुंजे, वीर विनायक दामोदर सावरकर के राजनीति का हिंदूकरण, और हिंदुओ का सैनिकीकरण, के मार्ग को प्रशस्त करने के लिए हिंदू महासभा को मजबूती प्रदान करेगा।

दया शंकर निगम को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर उनके शुभचिंतकों व जानने वालों में खुश की लहर दौड़ गई है। उनके शुभचिंतकों ने उनके निज आवास पर पहुंच कर माल्यार्पण का बधाइयां दी। बधाई देने वालो मेंअखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष श्री श्याम रतन श्रीवास्तव, महासचिव संजय अस्थाना जी, जय आनंद श्रीवास्तव, सरोज कुमार श्रीवास्तव, शशि कुमार श्रीवास्तव, जौनपुर साहू कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ,कोटेदार संघ के जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, ब्रह्मकुमार निगम महासचिव राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच ,दिनेश यादव फौजी, प्रशांत विक्रम सिंह, शीतला प्रसाद साहू, सोनू सोनकर, दशरथ यादव, दिनेश राय, प्रदीप सिंह, संतोष गुप्ता, रोशन श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव ,सुभम श्रीवास्तव, सुधीर अस्थाना, राम जनम सिंह आदि लोग ने समर्थन जताया व खुशी का इजहार किया।

ग्रामीण उद्यमी कृषकों का चयन 9 अगस्त को ऑनलाइन ई–लॉटरी के माध्यम से

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर मुख्य सचिव उ0प्र0, शासन के परिपालन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति (डी0एल0ई0सी0) की देख–रेख में कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन–सीटू मैनेजमेण्ट आफ क्राप रेजीड्यू (सी0आर0एम0) योजना के अन्तर्गत कस्टम हायरिंग केन्द्र (ग्रामीण उद्यमी हेतु) के वितरण हेतु कृषकों का चयन विभागीय पोर्टल upagriculture .up.gov.in के माध्यम से आनलाइन ई–लाटरी के द्वारा 09 अगस्त 2024 को जनपद के 03 विकासखण्ड करंजाकला, रामनगर एवं बरसठी के कृषक जिनके द्वारा कस्टम हायरिंग केन्द्र (ग्रामीण उद्यमी हेतु) की बुकिंग की गयी है, का चयन किया जायेगा। यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार जौनपुर में सम्पन्न कराया जायेगा। उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय ने अवगत कराया है कि जिन किसान भाइयों द्वारा उक्त यंत्र की बुकिंग की गयी है, एवं ई–लाटरी हेतु चयन प्रक्रिया में हैं, उनसे अनुरोध है कि वह उक्त स्थल पर 09 अगस्त 2024 को पूर्वान्ह 11.30 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबंधक एवं स्थानीय व्यापारियों के मध्य बैठक का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। उत्तर रेलवे ,लखनऊ मण्डल के मंडलीय कार्यालय के सभागार में मण्डल रेल प्रबंधक, श्री एस. एम. शर्मा एवं स्थानीय व्यापारियों के मध्य एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य रेलवे की व्यापारिक नीतियों का अधिकाधिक प्रसार करते हुए रेलवे की व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इस बैठक में मण्डल रेल प्रबंधक एवं स्थानीय व्यापारियों के बीच सुगम और पारदर्शी व्यापारिक नीतियों के निर्माण की नई संभावनाओं पर विचार किया गया। इस द्विपक्षीय वार्ता में समयबद्ध माल ढुलाई, लदान एवं उतरान, सामान की सुरक्षा ,सामान का समुचित रखरखाव,जल्दी खराब एवं टूट– फूट वाले सामानों को अतिरिक्त सावधानी के साथ

लदान–उतरान करने सहित अनेक अन्य व्यापारिक नीतियों एवं कार्यपद्धति पर भी चर्चा की गई। बैठक में प्रशासन एवं व्यापारियों ने अनेक ऐसे पहलुओं पर मंत्रणा की जिनके द्वारा व्यापारिक नीतियों को और अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त इस बैठक में मण्डल रेल प्रबंधक ने स्थानीय व्यापारियों की व्यापारिक समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए इनके यथाशीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। मण्डल रेल प्रबंधक ने रेलवे की व्यापारिक प्रणाली को रेलवे का प्रमुख स्तम्भ की संज्ञा देते हुए इस बैठक की महत्ता की चर्चा की तथा निरंतर इस प्रकार की बैठकों के आयोजन करने की अनिवार्यता पर बल दिया। इस बैठक में अपर मण्डल रेल प्रबंधक, सचिन वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक (फ्रेट), कुलदीप तिवारी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबन्धक, रजनीश कुमार श्रीवास्तव सहित मण्डल की वाणिज्य एवं परिचालन शाखा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

98 अभ्यर्थियों का चयन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लालबाग, लखनऊ परिसर में आज दिनांक 06.08.2024 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया इस रोजगार मेले में 05 कम्पनियों प्रेगमेटिक /यूकोहामा /दैनिक भास्कर/ यूनाईटेड (यंग इण्डिया) / इन्स्टा ह्यूमन्स (सुजलॉन) ने प्रतिभाग किया जिसमें लगभग 225 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। इन अभ्यर्थियों में से Trainee/ Security Supervisor/ Entry Level/ Marketing Officer आदि के पद पर 98 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। सहायक निदेशक एवं प्रभारी जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने नियोजक एवं आगन्तुक अभ्यर्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार/ स्वरोजगार से जोडकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने तथा हर हाथ को काम सरकार की प्राथमिकताओं में है। कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर रोजगार मेले में पूर्ण सहयोग किया।

एनपीएस एवं निजीकरण के खिलाफ अटेवा ने भरी हुंकार

जौनपुर। जनता जनार्दन इण्टर कॉलेज मेंहदी मड़ियाहूं में आयोजित पेंशन संगोष्ठी में जिला संयोजक चन्दन सिंह, जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ डॉ यामिनी सिंह एवं जिला कैडर प्रभारी टी यन यादव ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि छ्प्६ निजीकरण देश के लिए घातक है इसे जितनी जल्दी बन्द कर दिया जाय उतना ही अच्छा नही तो यह सरकार के लिए भी घातक साबित होगा। जिला उपाध्यक्ष डॉ राजेश उपाध्याय एवं जिला संगठन मंत्री द्वय अरविंद यादव एवं संदीप यादव ने कहा यह कर्मचारियों के साथ साथ देश और समाज के लिए भी घातक है इसे शीघ्रातिशीघ्र बन्द करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सतेंद्र राय, माण्डलिक

मंत्री मुरादाबाद डॉ शिव शंकर यादव, आनंद स्वरूप यादव, लाल चंद यादव, डॉ कृपा निधि यादव, हौसिला प्रसाद पाल,राम आसरे यादव,विजय बहादुर, जय प्रकाश, त्रिभुवन, बृजभान,दिनेश कुमार, प्रमोद कुमार, सुरेश चन्द, ओंकार नाथ यादव,कमला प्रसाद, चंद्रेश यादव, नितिन यादव, राघवेंद्र सिंह,विजय भास्कर, प्रभाकर, श्याम यादव,अनिल अजोसी, संजय कन्नौजिया, प्रेम चन्द,अनिरुद्ध यादव आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्य नीरज यादव, अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ यामिनी सिंह एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष नन्द लाल पुष्पक ने किया।

रजिस्ट्रेशन निलंबित होने पर भी बच्चों को ढो रहे स्कूल वाहन

बांदा, संवाददाता। फिटनेस न होने से संभागीय परिवहन विभाग ने 16 स्कूली वाहनों के रजिस्ट्रेशन छह माह के लिए निलंबित कर दिए थे। चेतावनी दी थी कि फिटनेस कंपलीट कराने के बाद ही सड़क पर वाहन चल सकेंगे, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए अनफिट स्कूल वाहनों को सड़क पर दौड़ाने की इजाजत मातहतों को दे दी। सोमवार की सुबह रजिस्ट्रेशन निलंबित होने के बावजूद सभी 16 स्कूल वाहन अभिभावकों के घर गए और वहां से बच्चों को लेकर स्कूल और फिर स्कूल से छुट्टी होने के बाद बच्चों को घर भी छोड़ा। ताज्जुब की बात तो यह है कि परिवहन विभाग की इजाजत के बगैर अनफिट स्कूल वाहन सड़क पर दौड़े और विभागीय अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी।

खतरे में बच्चों की जान, स्कूल प्रबंधन बेपरवाह

ऐसे तमाम हादसे अब तक हो चुके हैं, जिसमें कभी स्टीयरिंग फेल होने या कभी टायर पंचर होने से स्कूली वाहनों में सवार बच्चे हादसे का शिकार हो चुके हैं। इस कारण बिना फिटनेस सड़क पर वाहन दौड़ाने की परमीशन परिवहन विभाग नहीं देता है। अनफिट होने पर परिवहन विभाग ने 16 स्कूल वाहनों के रजिस्ट्रेशन छह माह के लिए निलंबित किए हैं, लेकिन शहर के स्कूल प्रबंधन ने बेपरवाही दिखाई और सोमवार को अनफिट वाहनों से ही बच्चों को स्कूल लाया गया। अनिफट वाहनों में बच्चों को लाना खतरे से खाली नहीं है। हादसा हुआ तो स्कूल प्रबंधन जवाब नहीं दे पाएंगे।

पकड़े गए तो रद्द कर दिया जाएगा रजिस्ट्रेशन

संभागीय परिवहन कार्यालय के यात्री कर अधिकारी रामसुमेर यादव ने कहा कि अनफिट होने पर छह माह के लिए 16 स्कूल वाहनों का रजिस्ट्रेशन निलंबित किया है। जब तक फिटनेस दुरुस्त नहीं होती, ये वाहन सड़क पर फर्राटा नहीं भर सकते। अगर बिना फिटनेस कराए कोई भी स्कूल वाहन बच्चों को स्कूल से घर और घर से स्कूल लाते पकड़ा तो उसका रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। यात्री कर अधिकारी के मुताबिक 59 स्कूल वाहनों में 21 वाहनों की फिटनेस अब तक की जा चुकी है। रविवार को कैंप में आठ स्कूल वाहन ऐसे आए जो मरम्मत के योग्य थे, उनकी फिटनेस पूरी नहीं की जा सकती थी। इस पर इन आठ वाहनों को मरम्मत कराने के बाद फिटनेस कंपलीट कराने के लिए आने की हिदायत दी गई है। उन्होंने कहा कि बिना फिटनेस वाहन सड़क पर दौड़ाने की इजाजत परिवहन विभाग नहीं देता है।

डीसीएम ने सीओडी कर्मी को कुचला मौके पर मौत, मचा कोहराम

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में किदवईनगर थानाक्षेत्र में सोमवार सुबह ड्यूटी जा रहे सीओडी कर्मी की बाइक में तेज रफ्तार डीसीएम ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सीओडी कर्मी बीच बाइक समेत सड़क पर गिर गए और डीसीएम की चपेट में आ गए। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डीसीएम छोड़कर चालक व क्लीनर फरार हो गए। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दबौली वेस्ट निवासी सत्यवंत कुमार (33) सीओडी में टीएमएम के पद पर कार्यरत थे। परिवार में पिता शिवचंद्र, मां सावित्री देवी व छोटा भाई सत्यजीत है। सत्यजीत के मुताबिक वर्ष 2015 में सत्यंवत की शादी हुई थी। दो माह बाद पत्नी घर छोड़कर चली गई और बाद में तलाक हो गया। सोमवार को वह सुबह साढ़े सात बजे ऑफिस जा रहे थे। किदवईनगर शनिदेव मंदिर के पास पीछे से आ रही डीसीएम ने बाइक में टक्कर मारने के बाद उन्हें रौंद दिया। घटना के बाद चालक व क्लीनर मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने मृतक के मोबाइल से सहकर्मियों व परिजनों को सूचना दी। इस दौरान करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पहुंची किदवईनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसीपी बाबूपुरवा अमरनाथ यादव ने बताया कि फरार चालक–परिचालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस उपायुक्त पूर्वी लखनऊ द्वारा थाना चिनहट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त पूर्वी लखनऊ द्वारा थाना चिनहट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस रूम, कर्मचारी बैरिक, मेस, सम्पत्ति गृह व महिला हैल्प डेस्क चौक किया गया। सम्पत्ति गृह में सामान के रखरखाव को बेहतर करने के निर्देश दिये। थाना कार्यालय में ड्यूटी पर मौजूद मुंशी व महिला हैल्प डेस्क अधिकारी से पूछताछ की व आवश्यक निर्देश दिए। थाना क्षेत्र में निरंतर प्रभावी रूप से पेट्रोलिंग, अपराध नियंत्रण व बीट क्षेत्र में भ्रमण करने हेतु निर्देशित किया। थाना परिसर में साफ–सफाई रखने एवं अनावश्यक रूप से लम्बित पड़े वाहनों एवं मालों के विधिक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

08 अगस्त 2024 को रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा 08 अगस्त 2024 को कार्यालय कैम्पस (चकप्यार अली रासमण्डल निकट नारायण नर्सिंग होम के बगल) में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में संविदा चालकों की भर्ती की जायेंगी। जिनकी शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 पास है, साथ ही भारी वाहन चलाने का लाईसेंस जिसकी न्यूनतम अवधि 2 वर्ष हो, अनिवार्य है। अभ्यर्थियों की आयु सीमा न्यूनतम 23 वर्ष 6 माह से ही सम्मिलित हो सकेंगे। वेतन प्रतिमाह 12,000 से 20,000 हजार है। रोजगार मेले में अन्य निजी क्षेत्र की कंपनिया भी प्रतिभाग करेगी। सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकांत सरोज ने बताया कि रोजगार मेला में इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त प्रमाण–पत्रों की छायाप्रति, दो पासपोर्ट फोटो एवं आई०डी० के साथ उपस्थित हो।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी कार, डाक्टर सहित दो की मौत हुई

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सिधरपुर गांव के पास मंगलवार भोरपहर पांच बजे तेज रफ्तार कर ट्रक में पीछे से घुस गई। घटना में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।संतकबीर जिले के खलीलाबाद निवासी रामनिवास (42) सिद्धार्थनगर जिले के तितौली स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर थे। वह खलीलाबाद थानाक्षेत्र के सरौली गांव निवासी सुफियान (38) पुत्र महरूफ के साथ आगरा की ओर जा रहे थे। मंगलवार भोर पहर करीब पांच बजे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के सिरधरपुर गांव के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से घुस गई। घटना में दोनों की मौत हो गई। कोतवाल राजकुमार ने बताया कि दोनों शवों की शिनाख्त हो गई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

कानपुर समेत आसपास के शहरों में दो दिन होगी बूंदाबांदी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में रविवार को सुबह से ही घने बादलों के बीच करीब 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, लेकिन बारिश नहीं हुई। शहर के कुछ हिस्सो में सिर्फ बूंदाबांदी ही रही। सीएसए मौसम विभाग के अनुसार सात और आठ अगस्त को महानगर और इसके आसपास के क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। दिन में बादलों छाये रहने की वजह से धूप का असर कम रहा है, जिससे अधिकतम पारा आज के दिन के सामान्य से 0.2 डिग्री कम 32.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। जबकि रात का तापमान सामान्य से 3.6 अधिक 26 डिग्री रहा। अभी 5 और 6 अगस्त के बीच बादलों के साथ तेज हवा चल सकती है। इस बीच बूंदाबांदी भी होगी।

रोजगार के नाम पर महिलाओं को जोड़ा, ठगकर कंपनी हो गई फरार

सहारनपुर, संवाददाता। दिल्ली रोड पर एक प्राइवेट कंपनी महिलाओं का पैसा लेकर फरार हो गई। जब महिलाओं को पता चला तो वे कंपनी के कार्यालय पर पहुंची। यहां कंपनी का कोई भी कर्मचारी नहीं मिलने पर हंगामा कर दिया। दिल्ली रोड पर विकास भवन के पास चार महीने पहले एशियन इंटरप्राइजेज नामक कंपनी ने कार्यालय खोला था। महिलाओं को 2400 रुपये लेकर कंपनी से जोड़ा जाता था। इन्हें दो किलो ऊन दी जाती थी, जिससे फूल बनवाए जाते थे। जो महिला दूसरी महिला को जोड़ती थी, उन्हें कंपनी की तरफ से 400 रुपये का कमीशन मिलता था। 15 दिन बाद महिलाओं को चार हजार रुपये देने का वायदा किया जाता था। बुधवार को कंपनी के लोगों ने महिलाओं को कार्यालय पर बुलाया था। जब महिलाएं कार्यालय पर पहुंचीं तो वहां कोई कर्मचारी नहीं मिला। इस पर महिलाओं ने हंगामा शुरू कर दिया। सैकड़ों महिलाएं कार्यालय के बाहर जमा हो गई। पता लगते ही थाना सदर बाजार, कुतुबशेर पुलिस मौके पर पहुंची। महिलाओं ने दिल्ली रोड पर पहुंचकर जाम लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने रोक लिया। महिलाओं का कहना था कि उनके पैसे वापस दिलाएं जाएं।

अब दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक जाएंगे घर–घर

शामली, संवाददाता। जिले में तैनात विशेष प्रशिक्षक दिव्यांग बच्चों को उनके घर जाकर शिक्षित करने का काम करेंगे। साथ ही दिव्यांग बच्चों को शिक्षण सामग्री भी घर पर ही उपलब्ध कराई जाएगी। इसका लाभ उन बच्चों को ही मिल सकेगा, जो दिव्यांगता के कारण विद्यालय आने में असमर्थ हैं। जिले में ऐसे दिव्यांग बच्चों की पहचान की जा रही है। जिन्हें स्कूल आने–जाने में दिक्कत होती है। ऐसे बच्चे जो विद्यालय पहुंचने में असमर्थ हो और सही से बैठ भी नहीं पाते हों। अब उन बच्चो के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने होम बेस्ड एजुकेशन देने का इंतजाम किया है। उनको पढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षित शिक्षक लगाए जाएंगे। जो बहु दिव्यांग बच्चों को उनके घर पढ़ाने जाएंगे, साथ ही शिक्षक परिवार के सदस्यों को भी बताएंगे कि वह किस प्रकार अपने दिव्यांग बच्चों को स्वयं भी शिक्षित करें। ये उपकरण बच्चों के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। उपकरणों पर प्रति बच्चा 3500 की धनराशि खर्च की जाएगी। इस धनराशि से लकड़ी व प्लास्टिक के विभिन्न मॉडल, आकृति, म्यूजिकल उपकरण, शरीर के अंग, किचन व डॉक्टर सेट, अल्फाबेटिकल हिंदी–अंग्रेजी, नंबर आकार, विभिन्न प्रकार के पैग बोर्ड के अलावा पिक्टोरियल चादर्स, हिंदी अंग्रेजी वर्णमाला, गिनती, पहाड़ा, पशु पक्षियों के चार्ट आदि अन्य उपयोगी उपकरण बच्चों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

शासन की ओर से जनपद में 56 बहु दिव्यांग बच्चों का लक्ष्य मिला था। जिन्हें चिह्नित कर लिया गया है। जल्द ही 11 विशेष प्रशिक्षित शिक्षक इन दिव्यांग बच्चों को उनके घर पर ही शिक्षा देंगे। साथ ही बच्चों को उपयोगी उपकरण भी मुहैया कराए जाएंगे।

डीएम को डूडा कार्यालय में व्यक्ति ने दिया धक्का, पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले के लचर तंत्र को सुधारने के लिए जिलाधिकारी सी. इंदुमती लगातार औचक निरीक्षण कर रही हैं। सोमवार को डीएम ने कलक्ट्रेट समेत कई सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लापरवाही बरतने पर दो कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं, कलक्ट्रेट के रिकॉर्ड रूम में मौजूद चार बाहरी व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा पुरानी तहसील स्थित विभागों की जांच में नदारद मिले कर्मियों से स्पष्टीकरण लेते हुए एक दिन का वेतन काटने क निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कलक्ट्रेट स्थित रिकार्ड रूम रजिस्ट्रार कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्हें रिकार्ड रूम के भीतर अधिवक्ता व बाहरी व्यक्ति मिले। उन्होंने आरआरके दिनेश सोनी व एआरके सुभाष त्रिपाठी को फटकार लगाते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अविनाश त्रिपाठी को दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया। लवलेश निवासी हरिहरगंज, आशुतोष निवासी पटेल नगर एवं अभिषेक निवासी पटेल नगर फोटोकॉपी मशीन के पास अवैध रूप से गोपनीय अभिलेखों से छेड़छाड़ करते मिले। उनके अलावा आशुतोष को गोपनीय अभिलेखों एवं नकल रजिस्टर पर छेड़छाड़ करते हुए पाया। जिलाधिकारी ने चारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। साथ ही व्यवस्थापक खागा पर भी विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया। बिंदकी तहसील से संबद्ध चपरासी राजेश के साथ भी एक बाहरी व्यक्ति पाया गया। इन दोनों पर भी कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने अपर उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि ये सुनिश्चित करें कि महत्वपूर्ण सरकारी पत्रावलियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो और कोई भी बाहरी व्यक्ति रिकार्ड रूम के अंदर न घुसे।

स्पष्टीकरण लेते हुए वेतन रोकने का निर्देश दिया

जिलाधिकारी ने एआईजी स्टांप व चकबंदी कार्यालय का निरीक्षण किया। सभी पटल सहायकों का परिचय के बाद कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जिला नगरीय विकास कार्यालय (डूडा) व नगर पालिका परिषद सदर का भी औचक निरीक्षण किया। नगर पालिका में रामगोपाल पांडेय, अजहर हुसैन, विजय कुमार, राजेश कुमार गौड़ व इरफान अली सिद्दीकी सहित कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले। उनका स्पष्टीकरण लेते हुए वेतन रोकने का निर्देश दिया। औचक निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अविनाश त्रिपाठी अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), धीरेन्द्र प्रताप, अपर उपजिलाधिकारी प्रभाकर त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान डीएम को धक्का मार भागने का प्रयास

डूडा कार्यालय में औचक निरीक्षण करने पहुंची डीएम जैसे ही कार्यालय के अंदर प्रवेश करने लगीं, तभी अंदर मौजूद एक युवक उन्हें धक्का मारकर भागने लगा। पुलिस ने उसे दबोच लिया, वहीं एडीएम वित्त ने युवक से पूछताछ कर संबंधितों को जांच के निर्देश दिए हैं। डूडा कार्यालय में औचक निरीक्षण के दौरान डीएम सी. इंदुमती को एक युवक धक्का मार दिया। डीएम का पारा देखकर एडीएम राजस्व अविनाश त्रिपाठी ने युवक से पूछताछ शुरू कर दी। युवक ने अपना नाम अतुल बताया। वह पूर्व में डूडा में सर्वेयर के पद पर कार्यरत था, जिसे भ्रष्टाचार के आरोप में कपंनी ने निकाल दिया गया था। पीओ डूडा को पूरे मामले में कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसी प्रकरण का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में धक्का मारने के बाद डीएम आक्रोशित होकर युवक पर कार्रवाई की मुद्रा में दिखीं।

कार के अंदर प्रोपर्टी डीलर की कनपटी पर मारी गोली

फिरोजाबाद, संवाददाता। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में दोस्त ने रुपयों के लेनदेन में अपने दोस्त को कार के अंदर कनपटी पर गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। हत्या करने के बाद शव को नहर में फेंक दिया। घटना के 24 घंटे बाद प्रॉपर्टी डीलर का शव इटावा फ्रेंड्स कॉलोनी के पास नहर से बरामद कर लिया। पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से गांव कटैना हर्षा में जसराना पुलिस बल तैनात किया है। वहीं परिजन ने शव का पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया। थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला कटरा मीरा निवासी जितेंद्र यादव उर्फ पप्पू (48) प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। उसने कुछ दिनों पूर्व गांव असुआ थाना शिकोहाबाद निवासी राजेंद्र कुशवाहा को लाखों रुपये दिए थे। जिनका वह लगातार तकादा कर रहे थे। शनिवार को राजेंद्र कुशवाहा अपने एक अन्य साथी के साथ कार से जितेंद्र के घर पहुंचा, जो कि जितेंद्र को कार से लेकर कहीं चला गया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। आरोपी ने कार के अंदर ही अपने दोस्त की कनपटी पर तमंचा रखकर फायर कर दिया। इससे जितेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को गांव असुआ के पास नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी को गांव असुआ से गिरफ्तार कर लिया था। वहीं दूसरी ओर शव की तलाश में पुलिस एवं पीएसी गोताखोर की टीम प्रयास कर रही थी। सोमवार सुबह मृतक का शव जनपद इटावा फ्रेंड्स कॉलोनी के पास नहर से बरामद हुआ। शव का इटावा में पोस्टमार्टम कराया गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि शव नहर से बरामद हो चुका है। जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

गांव में तैनात की गई पुलिस

पोस्टमार्टम के बाद शव मिलने के बाद परिजन उसे अपने साथ पैतृक गांव कटैना हर्षा थाना जसराना ले गए। इसके चलते पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से गांव में जसराना पुलिस बल को तैनात कर दिया। जहां कड़ी सुरक्षा के बीच शव का अंतिम संस्कार किया गया।

कार चालक को पुलिस ने हिरासत में लिया

पुलिस ने आरोपी राजेंद्र कुशवाहा के साथ कार में आए कार चालक अमित को भी हिरासत में ले लिया है। वहीं आरोपी के परिवार की महिलाओं से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हुई कार को भी फिरोजाबाद से बरामद कर लिया है। अब पुलिस घटना में प्रयुक्त हुए तमंचे को बरामद करने का प्रयास कर रही है।

बोरिंग में गिरा गुलदार, वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

बिजनौर, संवाददाता। बिजनौर जनपद के धामपुर क्षेत्र के गांव भटियाना खुशहालपुर में एक किसान के खेत में बोरिंग के कुएं के भीतर गुलदार गिर गया।गुलदार की दहाड़ सुन ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच गुलदार को रात 12:00 बजे कुएं से निकल रामनगर के जंगल में ले जाकर छोड़ा। गांव के मास्टर सुधीर चौहान , गुलशन, मोहित, प्रधान ज्योति देवी, इंदु प्रताप सिंह आदि ने बताया कि उनके गांव के जयप्रकाश सिंह चौहान पुत्र शेर सिंह के जंगल में बोरिंग के कुएं के भीतर सोमवार शाम गुलदार गिर गया। जब गांव के लोग जंगल में चारा लेने के लिए गए तो गुलदार की दहाड़ सुन लोगों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने देर शाम वन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया। वन क्षेत्र अधिकारी गोविंद राम गंगवार टीम के साथ गुलदार को पकड़ने के लिए रात में ही मौके पर पहुंचे। तीन–चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह वन विभाग की टीम ने 15– 20 फीट गहरे कुएं के भीतर से गुलदार को जाल डालकर पकड़ा और पिंजरे में बंद कर अपने साथ ले गए। रेंजर ने बताया की गुलदार को रात में ही वन विभाग की टीम ने रामनगर क्षेत्र में जंगल में छोड़ दिया। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्कता के साथ जंगल में खेती–बाड़ी का कार्य करने की जरूरत पर जोर दिया है । कहा कि वह गफलत में जंगल में काम न करें।

एक साल पहले भी इसी कुएं से पकड़ा गया था गुलदार

गांव के लोगों ने बताया कि एक साल पहले भी जयप्रकाश चौहान के इसी बोरिंग के कुएं के भीतर गुलदार गिर गया था। जिसे वन विभाग की टीम ने पकड़कर अमानगढ़ रेंज में छोड़ा था। गांव के लोगों का कहना है कि उनके जंगल में आए दिन गुलदार कुत्ते बिल्ली की तरह से घूमते नजर आ रहे हैं। गांव के लोग काफी सतर्क रहते हैं लेकिन फिर भी गुलदारों के आतंक से लोगों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गांव के चारों तरफ जंगलों में पिंजरा लगा गुलजारों को पकड़ने की मांग की है। वन विभाग के क्षेत्राधिकारी गोविंद राम गंगवार ने बताया कि जब वन विभाग की टीम गुलदार को पकड़ने के लिए गांव में पहुंची तो गांव के अधिकांश लोगों ने टीम का कोई सहयोग नहीं किया। बताया गया कि उनके द्वारा एक साल पहले जयप्रकाश को बोरिंग के कुएं को ऊपर से पाटने का सुझाव दिया था लेकिन अमल नहीं हुआ। अब जय प्रकाश को विभाग की ओर से नोटिस जारी कर कुएं के ऊपर से पाट कर बंद कराया जाएगा। आदेशों का पालन न होने पर कार्रवाई होगी।

ग्रुप कैप्टन की पत्नी से साइबर अपराधियों ने 4.70 लाख ठगे

मेरठ, संवाददाता। साइबर अपराधियों ने ग्रुप कैप्टन आरके गुप्ता के निधन के बाद उनकी पत्नी वीना गुप्ता को वन रैंक वन पेंशन का एरियर दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने 4.70 लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने पल्लवपुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पल्लवपुरम निवासी ग्रुप कैप्टन आरके गुप्ता के निधन के बाद उनकी पत्नी वीना गुप्ता के बंगलूरु स्थित केनरा बैंक के खाते में पेंशन आती है। उनका वन रैंक वन पेंशन का एरियर बकाया था। जिसके भुगतान के लिए वह प्रयास कर रही थीं। इसी दौरान उनके पास एक अंजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को अधिकृत अधिकारी बताकर एरियर दिलाने का झांसा दिया। इसके बाद उनके मोबाइल में कुछ एप इंस्टाल करा दिए। बाद साइबर ठग ने उनके खाते से 4.70 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला चिकित्सक को फर्जी मैसेज भेजकर एक लाख ठगे

पल्लवपुरम फेस–2 निवासी महिला चिकित्सक को साइबर अपराधियों ने फर्जी मैसेज भेजकर एक लाख रुपये ठग लिए। डॉ. स्वेता राणा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने उनके पास कॉल की। खुद को उनका परिचित बताकर उनके खाते में रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा। इसके बाद उनके पास फर्जी मैसेज भेजे। जिनसे उन्हें लगा कि उनके खाते में रुपये जमा हुए हैं। बाद में जब उन्होंने बैलेंस चेक किया तो पता चला कि उनके खाते से तीन बार में करीब एक लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। उन्होंने अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

आधार और पैन लिंक कराने का झांसा देकर 8 लाख ठगे

आधार और पैन कार्ड लिंक कराने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने युवक के बैंक खाते से 8 लाख रुपये निकाल लिए। मोदीपुरम की शील कुंज निवासी देवांश कौशिक ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पास कुछ समय पूर्व एक व्यक्ति ने कॉल करके खुद को बैंककर्मी बताया। उसने कहा कि आपके खाते में बैलेंस कम है। आपके सभी खाते पैन नंबर और आधार से लिंक होने हैं।

हम आपको लिंक भेज रहे हैं। जिससे आधार से पैन लिंक हो जांएगे। अपने खातों में न्यूनतम बैलेंस डालें अन्यथा सारे खाते ब्लॉक कर दिए जाएंगे। इसके बाद उनके पास लिंक आते रहे वह क्लिक करते रहे। सारे लिंक फेल होते रहे। बाद में जब उन्होंने बैलेंस चेक किया तो उनके खाते से करीब 8 लाख रुपये निकाले जा चुके थे। साइबर अपराधियों ने युवक के खाते से 1.94 लाख रुपये निकाल लिए।

पीपीपी मॉडल पर विकसित होगा झकरकटी बस अड्डा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में झकरकटी बस अड्डे में यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी है। बस अड्डे पर सात मंजिला बिल्डिंग बनाई जाएगी, जिसमें मॉल, रोडवेज कार्यालय, हॉल, पूछताछ केंद्र, वेटिंग रूम, फूड व किड्स जोन और अन्य सुविधाएं रहेंगी। यह विकास पीपीपी मॉडल पर होगा। कंपनी का चयन मुख्यालय स्तर पर किया जा रहा है। परिवहन विभाग की ओर से 143 करोड़ रुपये का बजट पहले ही स्वीकृत हो चुका है। झकरकटी बस अड्डे से रोजाना 1000–1100 बसों की आवाजाही होती है। यहां से बांदा, चित्रकूट, उरई, झांसी, कानपुर देहात, गोरखपुर, गोंडा, बहराइच, वाराणसी, जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, लखनऊ, दिल्ली, प्रयागराज आदि शहरों के लिए बसें संचालित हो रही हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश की रोडवेज बसें भी आती हैं। बस अड्डे पर मेट्रो कार्य के लिए कुछ हिस्सा अधिग्रहीत हो गया है। इससे बसों की पार्किंग की समस्या आ रही है।

इसी के चलते बस अड्डे का पीपीपी मॉडल पर विकास कराने की तैयार है। आरएम रोडवेज अनिल कुमार ने बताया कि झकरकटी बस अड्डे का पूरा स्वरूप बदल जाएगा। यहां कई तरह की सुविधाएं रहेंगी। सात मंजिला बिल्डिंग में दो अंडरग्राउंड होंगे, जिसमें कई तरह की सुविधाएं रहेंगी। यात्रियों को स्वास्थ्य संबंधित सहूलियत देने के लिए क्लीनिक भी बनेगा। यह क्लीनिक निजी अस्पताल द्वारा संचालित किया जाएगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।